षोडश माला, खंड 29, अंक 01

सोमवार, 29 जनवरी, 2018
9 माघ, 1939 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद
(हिन्दी संस्करण)

चौदहवां सत्र
(सोलहवीं लोक सभा)

सत्यमेव जयते

(खंड 29 में अंक 01 से 10 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली
मूल्य : एक सौ पन्द्रह रुपये

सम्पादक मण्डल

स्नेहलता श्रीवास्तव
महासचिव
लोक सभा

अनीता बी. पंडा
संयुक्त सचिव

अजीत सिंह यादव
निदेशक

एस.बी. त्रिपाठी
अपर निदेशक

कीर्ति प्रभा
संयुक्त निदेशक

इन्दु बक्शी
सम्पादक

© 2018 लोक सभा सचिवालय

हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जाएगी। इसमें सम्मिलित मूलत: अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में दिए गए भाषणों का हिन्दी अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा। पूर्ण प्रामाणिक संस्करण के लिए कृपया लोक सभा वाद-विवाद का मूल संस्करण देखें।

लोक सभा सचिवालय की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी सामग्री की न तो नकल की जाए और न ही पुन: प्रतिलिपि तैयार की जाए, साथ ही उसका वितरण, पुन: प्रकाशन, डाउनलोड, प्रदर्शन तथा किसी अन्य कार्य के लिए इस्तेमाल अथवा किसी अन्य रूप या साधन द्वारा प्रेषण न किया जाए, यह प्रतिबंध केवल इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोप्रति, रिकॉर्डिंग आदि तक सीमित नहीं है। तथापि इस सामग्री का केवल निजी, गैर वाणिज्यिक प्रयोग हेतु प्रदर्शन, नकल और वितरण किया जा सकता है बशर्ते कि सामग्री में किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए और सभी प्रतिलिप्यधिकार (कॉपीराइट) तथा सामग्री में अन्तर्विष्ट अन्य स्वामित्व संबंधी सूचनायें सुरक्षित रहें।

इंटरनेट

लोक सभा की सत्रावधि के प्रत्येक दिन के वाद-विवाद का मूल संस्करण भारतीय संसद की निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध है:

http://www.parliamentofindia.nic.in

लोक सभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण

लोक सभा की संपूर्ण कार्यवाही का लोक सभा टी. वी. चैनल पर सीधा प्रसारण किया जाता है। यह प्रसारण सत्रावधि में प्रतिदिन प्रात: 11.00 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से लेकर उस दिन की सभा समाप्त होने तक होता है।

लोक सभा वाद-विवाद बिक्री के लिए उपलब्ध

लोक सभा वाद-विवाद के हिन्दी संस्करण और वाद-विवाद के अंग्रेजी संस्करण, तथा संसद के अन्य प्रकाशन तथा संसद के प्रतीक चिन्ह युक्त स्मारक मदें **विक्रय फलक, स्वागत कार्यालय, संसद भवन, नई दिल्ली-110001** पर बिक्री के लिए उपलब्ध है। इन प्रकाशनों की जानकारी उपर्युक्त वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

© 2018 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (चौदहवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के अंतर्गत प्रकाशित
और नई दिल्ली- द्वारा मुद्रित।

विषय - सूची

षोडश माला, खंड - 29, चौदहवां सत्र, 2018/1939 (शक)

अंक 01, सोमवार, 29 जनवरी, 2018/09 माघ, 1939 (शक)

विषय	कॉलम
सोलहवीं लोक सभा के सदस्यों की वर्णानुक्रमानुसार सूची	(iii)-(x)
लोक सभा के पदाधिकारी.....	(xi)
मंत्रिपरिषद्.....	(xiii)-(xiv)
राष्ट्रगान.....	1
राष्ट्रपति का अभिभाषण.....	1-16
सभा पटल पर रखे गए पत्र.....	16

सोलहवीं लोकसभा के सदस्यों की वर्णानुक्रमानुसार सूची

अंगड़ी, श्री सुरेश सी. (बेलागवी)

अग्रवाल, श्री राजेन्द्र (मेरठ)

अज़मल, श्री बदरुद्दीन (धुबरी)

अज़मल, श्री सिराजुद्दीन (बारपेटा)

अडसुल, श्री आनंदराव (अमरावती)

अधिकारी, श्री दिव्येन्दु (तामलुक)

अधिकारी, श्री दीपक (देव) (घाटल)

अधिकारी, श्री शिशिर कुमार (कांथी)

अनन्तकुमार, श्री (बैंगलोर दक्षिण)

अनवर, श्री तारिक (कटिहार)

अब्दुल्ला, डॉ. फारुख (श्रीनगर)

अमरप्पा, श्री करादी सनगन्ना (कोप्पल)

अरुणमणिदेवन, श्री ए. (कुड्डालोर)

अली, श्री इदरिस (बसीरहाट)

अहलावत, श्रीमती संतोष (झुन्झुनू)

अहलुवालिया, श्री एस.एस. (दार्जिलिंग)

अहीर, श्री हंसराज गंगाराम (चन्द्रपुर)

आजाद, श्री कीर्ति (दरभंगा)

आडवाणी, श्री एल.के. (गांधीनगर)

इंगती, श्री बिरेन सिंह (स्वशासी जिला)

इन्नोसेन्ट, श्री (चालाकुडी)

इरिंग, श्री निनोंग (अरुणाचल पूर्व)

उटवाल, श्री मनोहर (देवास)

उदयकुमार, श्री एम. (डिण्डीगुल)

उदासि, श्री शिवकुमार (हावेरी)

उसेंडी, श्री विक्रम (कांकेर)

एन्टोनी, श्री एंटो (पथनमथीट्टा)

एलुमलाई, श्री वी. (अरानी)

एल्लैया, श्री नन्दी (नगर कुरनल)

ओराम, श्री जुएल (सुंदरगढ़)

ओवैसी, श्री असादुद्दीन (हैदराबाद)

औजला, श्री गुरजीत सिंह (अमृतसर)

कटारिया, श्री रत्न लाल (अम्बाला)

कटील, श्री नलीन कुमार (दक्षिण कन्नड़)

कठेरिया, डॉ. रामशंकर (आगरा)

करुणाकरन, श्री पी. (कासरगौड)

कलवकुंतला, श्रीमती कविता (निजामाबाद)

कश्यप, श्री दिनेश (बस्तर)

कश्यप, श्री वीरेन्द्र (शिमला)

कस्वां, श्री राहुल चुरू)

काछड़िया, श्री नारणभाई (अमरेली)

कामराज, डॉ. के. (कल्लाकुरिची)

कारान्दलाजे, कुमारी शोभा (उदुपी चिकमंगलूर)

किंजरापु, श्री राम मोहन नायडू (श्रीकाकुलम)

किशोर, श्री कौशल (मोहनलालगंज)

किशोर, श्री जुगल (जम्मू)

कीर्तिकर, श्री गजानन (मुंबई उत्तर पश्चिम)

कुंदरिया, श्री मोहनभाई कल्याणजीभाई (राजकोट)

कुनहलिकुट्टी, श्री पी.के. (मलप्पुरम)

कुमार, कुँवर सर्वेश (मुरादाबाद)

कुमार, डॉ. अरूण (जहानाबाद)

कुमार, डॉ. वीरेन्द्र (टीकमगढ़)

कुमार, श्री अश्विनी (करनाल)

कुमार, श्री के. अशोक (कृष्णागिरी)

कुमार, श्री कौशलेन्द्र (नालंदा)

कुमार, श्री धर्मेन्द्र (आंवला)

कुमार, श्री पी. (तिरुचिरापल्ली)

कुमार, श्री बी. विनोद (करीमनगर)

कुमार, श्री शान्ता (कांगड़ा)

कुमार, श्री शैलेश (भागलपुर)

कुमार, श्री संतोष (पूर्णिया)

कुलस्ते, श्री फग्गन सिंह (मंडला)

कुशवाहा, श्री उपेन्द्र (काराकाट)

कुशवाहा, श्री रविन्दर (सलेमपुर)

कैसर, चौधरी महबूब अली (खगड़िया)
कोली, श्री बहादुर सिंह (भरतपुर)
कोश्यारी, श्री भगत सिंह (नैनीताल-ऊधम सिंह नगर)
कौशिक, श्री रमेश चन्द्र (सोनीपत)
क्रिष्टप्पा, श्री एन. (हिन्दुपुर)
खंडूड़ी एवीएसएम (सेवानिवृत्त), मेजर जनरल भुवन चन्द्र (गढ़वाल)
खड़गे, श्री मल्लिकार्जुन (गुलबर्गा)
खाडसे, श्रीमती रक्षाताई (रावेर)
खान, श्री मोहम्मद बदरुद्दोजा (मुर्शिदाबाद)
खान, श्री सौमित्र (बिशनपुर)
खालसा, श्री हरिंदर सिंह (फतेहगढ़ साहिब)
खुबा, श्री भगवंत (बीदर)
खेर, श्रीमती किरण (चंडीगढ़)
खैरे, श्री चन्द्रकांत (औरंगाबाद)
गंगवार, श्री संतोष कुमार (बरेली)
गडकरी, श्री नितिन (नागपुर)
गद्दीगौदर, श्री पी.सी. (बागलकोट)
गल्ला, श्री जैदेव (गुंटूर)
गवली (पाटील), श्रीमती भावना (यवतमाल-वाशिम)
गांधी, श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल (अहमदनगर)
गांधी, श्री धर्म वीर (पटियाला)
गांधी, श्री फिरोज़ वरुण (सुल्तानपुर)
गांधी, श्री राहुल (अमेठी)
गांधी, श्रीमती मेनका संजय (पीलीभीत)
गांधी, श्रीमती सोनिया (रायबरेली)
गायकवाड़, डॉ. सुनील बलीराम (लातूर)
गायकवाड़, प्रो. रविन्द्र विश्वनाथ (उस्मानाबाद)
गावीत, डॉ. हिना विजय कुमार (नन्दुरबार)
गिरी, श्री महेश (पूर्वी दिल्ली)
गिलुवा, श्री लक्ष्मण (सिंहभूम)
गीता, श्रीमती कोथापल्ली (अराकु)
गीते, श्री अनन्त गंगाराम (रायगढ़)
गुप्त, श्री श्याम चरण (इलाहाबाद)
गुप्ता, श्री सुधीर (मंदसौर)
गुबाया, श्री शेर सिंह (फिरोजपुर)
गूर्जर, श्री कृष्णपाल (फरीदाबाद)
गोगोई, श्री गौरव (कलियाबोर)
गोडसे, श्री हेमन्त तुकाराम (नासिक)
गोपाल, डॉ. के. (नागापट्टिनम)
गोपालकृष्णन, श्री आर. (मदुरै)
गोपालकृष्णन, श्री सी. (नीलगिरी)
गोहेन, श्री राजेन (नौगोंग)
गौड, डॉ. बूरा नरसैय्या (भोंगीर)
गौड़ा, श्री एस.पी. मुद्दाहनुमे (टुमकुर)
गौड़ा, श्री डी.वी. सदानन्द (बैंगलोर उत्तर)
गौतम, श्री सतीश कुमार (अलीगढ़)
घोष, श्रीमती अर्पिता (बालूरघाट)
चक्रवर्ती, श्रीमती विजया (गौहाटी)
चन्द, श्री निहाल (गंगानगर)
चन्दूमाजरा, श्री प्रेम सिंह (आनंदपुर साहिब)
चन्देल, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह (हमीरपुर)
चन्द्रप्पा, श्री बी.एन. (चित्रदुर्ग)
चन्द्राकाशी, श्री एम. (चिदम्बरम)
चव्हाण, श्री अशोक शंकरराव (नांदेड़)
चव्हाण, श्री हरिश्चंद्र (दिंडोरी)
चावड़ा, श्री विनोद लखमाशी (कच्छ)
चिन्नैयन, श्री एस. सेल्वाकुमार (इरोड)
चुडासमा, श्री राजेशभाई (जूनागढ़)
चौटाला, श्री दुष्यंत (हिसार)
चौधरी, कर्नल सोनाराम (बाड़मेर)
चौधरी, श्री अधीर रंजन (बहरामपुर)
चौधरी, श्री ए.एच. खान (मालदा दक्षिण)
चौधरी, श्री जितेन्द्र (त्रिपुरा पूर्व)
चौधरी, श्री पंकज (महाराजगंज)
चौधरी, श्री पी.पी. (पाली)
चौधरी, श्री बाबूलाल (फतेहपुर सीकरी)
चौधरी, श्री बीरेन्द्र कुमार (झंझारपुर)

चौधरी, श्री राम टहल (राँची)
चौधरी, श्री संतोख सिंह (जालंधर)
चौधरी, श्री सी.आर. (नागौर)
चौधरी, श्री हरिभाई (बनासकांठा)
चौधरी, श्री अश्विनी कुमार (बक्सर)
चौधरी, श्री देवुसिंह (खेड़ा)
चौधरी, श्री नन्द कुमार (खंडवा)
चौधरी, श्री पी.पी. (पंचमहल)
छेवांग, श्री थुपस्तान (लद्दाख)
छोटेलाल, श्री (राबर्ट्सगंज)
जटुआ, श्री चौधरी मोहन (मथुरापुर)
जयदेवन, श्री सी.एन. (त्रिस्सूर)
जयवर्धन, डॉ. जे. (चेन्नई दक्षिण)
जरदोश, श्रीमती दर्शन विक्रम (सूरत)
जाखड़, श्री सुनील कुमार (गुरदासपुर)
जाधव, श्री प्रतापराव (बुलढाणा)
जाधव, श्री संजय हरिभाऊ (परभणी)
जायसवाल, डॉ. संजय (पश्चिम चम्पारण)
जिगाजिनागि, श्री रमेश (बीजापुर)
जेना, श्री रवीन्द्र कुमार (बालासोर)
जॉर्ज, एडवोकेट जोएस (इडुक्की)
जोशी, डॉ. मुरली मनोहर (कानपुर)
जोशी, श्री चन्द्र प्रकाश (चित्तौड़गढ़)
जोशी, श्री प्रहलाद (धारवाड़)
जौनापुरिया, श्री सुखबीर सिंह (टोंक-सवाई माधोपुर)
ज्योति, साध्वी निरंजन (फतेहपुर)
टम्टा, श्री अजय (अल्मोड़ा)
टीचर, श्रीमती पी.के. श्रीमथि (कन्नूर)
टेनी, श्री अजय मिश्रा (खीरी)
ठाकुर, श्री अनुराग सिंह (हमीरपुर)
ठाकुर, श्रीमती ममता (बनगांव)
ठाकुर, श्रीमती सावित्री (धार)
डे (नाग), डॉ. रत्ना (हुगली)
डेका, श्री रमेन (मंगलदाई)
तंबिदुरै, डॉ. एम. (करूर)
तंवर, श्री कंवर सिंह (अमरोहा)
तडस, श्री रामदास सी. (वर्धा)
तराई, श्रीमती रीता (जाजपुर)
तासा, श्री कामाख्या प्रसाद (जोरहट)
तिर्की, श्री दशरथ (अलीपुरद्वारस)
तिवारी, श्री मनोज (उत्तर पूर्व दिल्ली)
तुमाने, श्री कृपाल बालाजी (रामटेक)
तेली, श्री रामेश्वर (डिब्रूगढ़)
तोमर, श्री नरेन्द्र सिंह (ग्वालियर)
त्रिपाठी, श्री शरद (संत कबीर नगर)
त्रिवेदी, श्री दिनेश (बैरकपुर)
थरूर, डॉ. शशि (तिरुवनन्तपुरम)
थॉमस, प्रो. के.वी. (एर्नाकुलम)
दत्ता, श्री शंकर प्रसाद (त्रिपुरा पश्चिम)
दत्तात्रेय, श्री बंडारू (सिकन्दराबाद)
दस्तीदार, डॉ. काकोली घोष (बारासात)
दानवे, श्री रावसाहेब पाटील (जालना)
दिवाकर, श्री राजेश कुमार (हाथरस)
दुबे, श्री निशिकान्त (गोड्डा)
दुबे, श्री सतीश चंद्र (वाल्मीकिनगर)
देव, कुमारी सुष्मिता (सिल्चर)
देव, श्री अर्का केशरी (कालाहांडी)
देव, श्री कलिकेश एन. सिंह (बोलंगीर)
देवगौड़ा, श्री एच.डी. (हसन)
देवी, श्रीमती रमा (शिवहर)
देवी, श्रीमती वीणा (मुंगेर)
दोहरे, श्री अशोक कुमार (इटावा)
द्विवेदी, श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश (बस्ती)
धर्मवीर, श्री (भिवानी-महेन्द्रगढ़)
धुर्वे, श्रीमती ज्योति (बैतूल)
धोत्रे, श्री संजय (अकोला)
ध्रुवनारायण, श्री आर. (चामराजनगर)
नगेश, श्री गोडम (आदिलाबाद)

नट्टर्जी, श्री जे.जे.टी. (थूथुकुडी)
नरसिम्हम, श्री थोटा (काकीनाडा)
नाईक, श्री बी.वी. (रायचूर)
नाईक, श्री श्रीपाद येसो (उत्तर गोवा)
नागर, श्री रोड़मल (राजगढ़)
नागराजन, श्री पी. (कोयम्बटूर)
नाथ, श्री कमल (छिंदवाड़ा)
नायक, प्रो. ए.एस.आर. (महबूबाबाद)
निनामा, श्री मानशंकर (बांसवाड़ा)
निशंक, डॉ. रमेश पोखरियाल (हरिद्वार)
निषाद, श्री अजय (मुजफ्फरपुर)
निषाद, श्री राम चरित्र (मछलीशहर)
नूर, श्रीमती मौसम (माल्दहा)
नेते, श्री अशोक महादेवराव (गड़चिरोली-चिमुर)
पटेल, डॉ. के.सी. (वलसाड)
पटेल, श्री दिलीप (आनन्द)
पटेल, श्री देवजी एम. (जालौर)
पटेल, श्री नट्टूभाई गोमनभाई (दादरा और नगर हवेली)
पटेल, श्री प्रहलाद सिंह (दमोह)
पटेल, श्री लालूभाई बाबूभाई (दमन और दीव)
पटेल, श्री सुभाष (खरगौन)
पटेल, श्रीमती अनुप्रिया (मिर्जापुर)
पटेल, श्रीमती जयश्रीबेन (मेहसाणा)
पन्नीरसेलवम, श्री वी. (सलेम)
परसुरमन, श्री के. (तंजावुर)
पसुनूरी, श्री दयाकर (वारंगल)
पांडा, श्री बैजयंत जे. (केन्द्रपाड़ा)
पाटले, श्रीमती कमला (जांजगीर-चाम्पा)
पाटसाणी, श्री प्रसन्न कुमार (भुवनेश्वर)
पाटील, श्री ए.टी. नाना (जलगांव)
पाटील, श्री कपिल मोरेश्वर (भिवंडी)
पाटील, श्री भीमराव बी. (जहीराबाद)
पाटील, श्री संजय काका (सांगली)
पाटील, श्री सी.आर. (नवसारी)
पाठक, श्रीमती रीती (सीधी)
पाण्डेय, डॉ. महेन्द्र नाथ (चन्दौली)
पाण्डेय, श्री रवीन्द्र कुमार (गिरिडीह)
पाण्डेय, श्री राजेश (कुशीनगर)
पाण्डेय, श्री हरि ओम (अम्बेडकर नगर)
पार्थिपन, श्री आर. (थेनी)
पाल, श्री जगदम्बिका (डुमरियागंज)
पाल, श्री तापस (कृष्णानगर)
पाला, श्री विनसेंट एच. (शिलौंग)
पासवान, श्री कमलेश (बासगांव)
पासवान, श्री चिराग (जमुई)
पासवान, श्री छेदी (सासाराम)
पासवान, श्री राम चन्द्र (समस्तीपुर)
पासवान, श्री रामविलास (हाजीपुर)
पोद्दार, श्रीमती अपरूपा (आरामबाग)
प्रताप, श्री कृष्ण (जौनपुर)
प्रधान, श्री नागेन्द्र कुमार (संबलपुर)
प्रबाकरन, श्री के.आर.पी. (तिरुनेलवेली)
प्रसाद, डॉ. भागीरथ (भिंड)
प्रेमचन्द्रन, श्री एन.के. (कोल्लम)
फतेपारा, श्री देवजीभाई गोविंदभाई (सुरेन्द्रनगर)
फूले, साध्वी सावित्री बाई (बहराइच)
फैज़ल, मोहम्मद (लक्षद्वीप)
बक्शी, श्री सुब्रत (कोलकाता दक्षिण)
बनर्जी, श्री अभिषेक (डायमण्ड हार्बर)
बनर्जी, श्री कल्याण (श्रीरामपुर)
बनर्जी, श्री प्रसून (हावड़ा)
बनसोडे, एडवोकेट शरदकुमार मारुति (शोलापुर)
बन्दोपाध्याय, श्री सुदीप (कोलकाता उत्तर)
बरुआ, श्री प्रदान (लखीमपुर)
बर्मन, श्री बिजय चन्द्र (जलपाईगुड़ी)
बशीर, श्री ई.टी. मोहम्मद (पोन्नानी)
बहेड़िया, श्री सुभाष चन्द्र (भीलवाड़ा)
बाइटे, श्री थांगसो (बाह्य मणिपुर)
बादल, श्रीमती हरसिमरत कौर (भटिंडा)
बाबू, डॉ. रविन्द्र (अमलापुरम)

बारणे, श्री श्रीरंग आप्पा (मावल)
बाला, श्रीमती अंजू (मिश्रिख)
बालियान, डॉ. संजीव (मुजफ्फरनगर)
बिजू श्री पी.के. (अलथूर)
बिधूड़ी, श्री रमेश (दक्षिण दिल्ली)
बिरला, श्री ओम (कोटा)
बिश्वास, श्री राधेश्याम (करीमगंज)
बेकर, श्री जॉर्ज (नामनिर्देशित)
बेग, श्री मुजफ्फर हुसैन (बारामुल्ला)
बैस, श्री रमेश (रायपुर)
बोस, प्रो. सुगत (जादवपुर)
बोहरा, श्री रामचरण (जयपुर शहर)
ब्रह्मपुरा, श्री रनजीत सिंह (खडूर साहिब)
भगत, श्री बोध सिंह (बालाघाट)
भगत, श्री सुदर्शन (लोहरदगा)
भट्ट, श्रीमती रंजनबेन (वडोदरा)
भाभोर, श्री जसवंत सिंह सुमनभाई (दाहोद)
भामरे, डॉ. सुभाष रामराव (धुले)
भारती, सुश्री उमा (झांसी)
भारती मोहन, श्री आर.के. (मइलादुथुरई)
भूरिया, श्री कांति लाल (रतलाम)
भोंसले, श्री छ. उदयनराजे (सतारा)
भोले, श्री देवेन्द्र सिंह (अकबरपुर)
मंडल, डॉ. तापस (रणघाट)
मणि, श्री जोस के. (कोट्टयम)
मण्डल, श्री सुनील कुमार (बर्धमान पूर्व)
मण्डल, श्रीमती प्रतिमा (जयनगर)
मरगथम, श्रीमती के. (कांचीपुरम)
मराबी, श्री कमल भान सिंह (सरगुजा)
मरुदराजा, श्री आर.पी. (पेरम्बलुर)
महताब, श्री भर्तृहरि (कटक)
महतो, डॉ. बंशीलाल (कोरबा)
महतो, डॉ. मृगांका (पुरुलिया)
महतो, श्री विद्युत वरण (जमशेदपुर)
महाजन, श्रीमती पूनम (उत्तर मध्य मुम्बई)
महाजन, श्रीमती सुमित्रा (इंदौर)
महाडीक श्री धनंजय (कोल्हापुर)
महापात्रा, डॉ. सिद्धांत (बरहामपुर)
महाराज, डॉ. स्वामी साक्षीजी (उन्नाव)
महेंद्रन, श्री सी. (पोल्लाची)
मांझी, श्री हरि (गया)
माझी, श्री बलभद्र (नबरंगपुर)
माडम, श्रीमती पूनमबेन (जामनगर)
मान, श्री भगवंत (संगरूर)
मालवीय, प्रो. चिंतामणि (उज्जैन)
मिश्र, श्री कलराज (देवरिया)
मिश्र, श्री जनार्दन (रीवा)
मिश्र, श्री भैरों प्रसाद (बांदा)
मिश्रा, श्री अनूप (मुरैना)
मिश्रा, श्री दद्दन (श्रावस्ती)
मिश्रा, श्री पिनाकी (पुरी)
मीणा, श्री अर्जुन लाल (उदयपुर)
मीना, श्री हरीश (दौसा)
मुंडा, श्री कड़िया (खूंटी)
मुंडे, डॉ. प्रीतम गोपीनाथ (बीड)
मुखर्जी, श्री अभिजित (जंगीपुर)
मुनियप्पा, श्री के.एच. (कोलार)
मेघवाल, श्री अर्जुन राम (बीकानेर)
मेन्या, डॉ. थोकचोम (आंतरिक मणिपुर)
मोइली, श्री एम. वीरप्पा (चिक्कबल्लापुर)
मोदी, श्री नरेन्द्र (वाराणसी)
मोहन, श्री एम. मुरली (राजामुन्दरी)
मोहन, श्री पी.सी. (बैंगलोर केन्द्रीय)
यादव, श्री अक्षय (फिरोजाबाद)
यादव, श्री ओम प्रकाश (सीवान)
यादव, श्री जय प्रकाश नारायण (बांका)
यादव, श्री तेज प्रताप सिंह (मैनपुरी)
यादव, श्री धर्मेन्द्र (बदायूं)
यादव, श्री मुलायम सिंह (आज़मगढ़)
यादव, श्री राम कृपाल (पाटलीपुत्र)

यादव, श्री लक्ष्मी नारायण (सागर)
यादव, श्री हुक्मदेव नारायण (मधुबनी)
यादव, श्रीमती डिम्पल (कन्नौज)
येदियुरप्पा, श्री बी.एस. (शिमोगा)
रंजन, श्री राजेश (मधेपुरा)
रंजन, श्रीमती रंजीत (सुपौल)
रदाडीया, श्री विट्ठलभाई हंसराजभाई (पोरबंदर)
राई, श्री प्रेम दास (सिक्किम)
राऊत, श्री विनायक भाऊराव (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग)
राघवन, श्री एम.के. (कोझिकोड)
राज. डॉ. उदित (उत्तर-पश्चिम दिल्ली)
राज, रीमती कृष्णा (शाहजहांपुर)
राजपूत, श्री मुकेश (फर्रुखाबाद)
राजभर, श्री हरिनरायन (घोसी)
राजा, श्री ए. अनवर (रामनाथपुरम)
राजू, श्री अशोक गजपति (विजियानगरम)
राजू, श्री गोकाराजू गंगा (नरसापुरम)
राजू, श्री सी.एस. पुट्टा (मान्डया)
राजेन्द्रन, श्री एस. (विलुप्पुरम)
राजेश, श्री एम.बी. (पालक्काड)
राजोरिया, डॉ. मनोज (करौली-धौलपुर)
राठवा, श्री रामसिंह (छोटा उदयपुर)
राठौड़, श्री डी.एस. (साबरकांठा)
राठौड़, श्री हरिओम सिंह (राजसमन्द)
राठौर (सेवानिवृत्त), कर्नल राज्यवर्धन (जयपुर ग्रामीण)
राधाकृष्णन, श्री आर. (पुडुचेरी)
राधाकृष्णन, श्री टी. (विरुधुनगर)
राधाकृष्णन, श्री पोन (कन्याकुमारी)
राम, श्री जनक (गोपालगंज)
राम, श्री विष्णु दयाल (पलामू)
रामचन्द्रन, श्री के.एन. (श्रीपेरुम्बुदुर)
रामचन्द्रन, श्री मुल्लापल्ली (वडकरा)
रामादोस, डॉ. अंबुमनी (धर्मापुरी)
राय, प्रो. सौगत (दमदम)
राय, श्री नित्यानन्द (उजियारपुर)
राय, श्री पार्थ प्रतिम (कूचबिहार)
राय, श्री बिष्णु पद (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह)
राय, श्री रवीन्द्र कुमार (कोडरमा)
राय, श्रीमती शताब्दी (बीरभूम)
राय, श्रीमती संध्या (मेदीनिपुर)
राव, श्री एम. वेंकटेश्वर (इलुरू)
राव, श्री कोनाकल्ला नारायण (मछलीपटनम)
राव (अवंती), श्री मुथमसेटी श्रीनिवास (अनाकापल्ली)
राव, श्री रायपति सम्बासिवा (नरसाराओपेट)
रावत, श्रीमती प्रियंका सिंह (बाराबंकी)
रावल, श्री परेश (अहमदाबाद-पूर्व)
रिओ, श्री नेफिड (नागालैंड)
रिजीजू, श्री किरेन (अरुणाचल पश्चिम)
रुआला, श्री सी.एल. (मिजोरम)
रूडी, श्री राजीव प्रताप (सारण)
रेड्डी, श्री ए.पी. जितेन्द्र (महबूबनगर)
रेड्डी, श्री एस.पी.वाई. (नन्दयाल)
रेड्डी, श्री कुण्डा विश्वेश्वर (चेवेल्ला)
रेड्डी, श्री कोथा प्रभाकर (मेडक)
रेड्डी, श्री गुत्था सुकेंद्र (नलगोन्डा)
रेड्डी, श्री चामाकुरा मल्ला (मलकाजगिरी)
रेड्डी, श्री जे.सी. दिवाकर (अनन्तपुर)
रेड्डी, श्री पी. श्रीनिवास (खम्माम)
रेड्डी, श्री पी.वी. मिदून (राजपेट)
रेड्डी, श्री मेकापति राज मोहन (नेल्लोर)
रेड्डी, श्री वाई. एस. अविनाश (कडापा)
रेड्डी, वाई. वी. सुब्बा (ओंगले)
रेणुका, श्रीमती बुत्ता (कुरनूल)
रोड़ी, श्री चरणजीत सिंह (सिरसा)
लखनपाल, श्री राघव (सहारनपुर)
लागुरी, श्रीमती सकुंतला (क्योंझर)
लेखी, श्रीमती मीनाक्षी (नई दिल्ली)
लोखंडे, श्री सदाशिव (शिर्डी)
वनरोजा, श्रीमती आर. (तिरुवन्नमलाई)
वर्धन, डॉ. हर्ष (चाँदनी चौक)
वर्मा, डॉ. अंशुल (हरदोई)
वर्मा, श्री प्रवेश साहिब सिंह (पश्चिमी दिल्ली)

वर्मा, श्री भानु प्रताप सिंह (जालौन)
वर्मा, श्री राजेश (सीतापुर)
वर्मा, श्रीमती देव (बंकुरा)
वर्मा, श्रीमती रेखा (धौरहरा)
वर्मा, श्रीमती एम. (तेनकासी)
वसावा, श्री प्रभुभाई नागरभाई (बारदौली)
वसावा, श्री मनसुखभाई धनजीभाई (भरूच)
वांगा, श्री चिन्तामन नावाशा (पालघर)
वाघेला, श्री एल.के. (पाटन)
विचारे, श्री राजन (ठाणे)
विजय कुमार, श्री एस.आर. (चेन्नई केन्द्रीय)
वेंकटेश बाबू, श्री टी.जी. (चेन्नई उत्तर)
वेणुगोपाल डॉ. पी. (तिरूवल्लुर)
वेणुगोपाल, श्री के.सी. (अलप्पुझा)
वेलगापल्ली, श्री बाराप्रसाद राव (तिरुपति)
शंकरराव, श्री मोहिते पाटिल विजयसिंह (माढा)
शनवास, श्री एम.आई. (वयनाड)
शर्मा, डॉ. महेश (गौतमबुद्ध नगर)
शर्मा, श्री राम कुमार (सीतामढ़ी)
शर्मा, श्री रामस्वरूप (मंडी)
शाह, श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी (टिहरी गढ़वाल)
शिंदे, डॉ. श्रीकांत एकनाथ (कल्याण)
शिरोले, श्री अनिल (पुणे)
शिवप्रसाद, श्री नारामल्ली (चित्तूर)
शिवाजीराव, श्री आधलराव पाटील (शिरूर)
शेखावत, श्री गजेन्द्र सिंह (जोधपुर)
शेट्टी, श्री गोपाल (मुम्बई उत्तर)
शेट्टी, श्री राजू (हातकणगले)
शेवाले, श्री राहुल (मुम्बई दक्षिण मध्य)
श्याल, डॉ. भारतीबेन डी. (भावनगर)
श्रीनिवास, श्री केसिनेनी (विजयवाड़ा)
श्रीराम, श्री मलयाद्रि (बापतला)
श्रीरामुलु, श्री बी. (बेल्लारी)
संगमा, श्री सी.के. (तुरा)
संघमिता, डॉ. ममताज़ (बर्धमान दुर्गापुर)
संजर, श्री आलोक (भोपाल)
सत्पथी, श्री तथागत (धेन्कानल)
सत्यबामा, श्रीमती वी. (तिरुप्पुर)
सम्पत, डॉ. ए. (अट्टिंगल)
सरनीया, श्री नव कुमार (कोकराझार)
सरमा, श्री राम प्रसाद (तेजपुर)
सरस्वती, श्री सुमेधानन्द (सीकर)
सरेन, डॉ. उमा (झाड़ग्राम)
सलीम, श्री मोहम्मद (रायगंज)
सांपला, श्री विजय (होशियारपुर)
सातव, श्री राजीव (हिंगोली)
सामल, डॉ. कुलमणि (जगतसिंहपुर)
साय, श्री विष्णु देव (रायगढ़)
सावंत, श्री अरविंद (मुंबई दक्षिण)
सावईकर, एडवोकेट नरेन्द्र केशव (दक्षिण गोवा)
साहू, श्री चंदूलाल (महासमन्द)
साहू, श्री ताम्रध्वज (दुर्ग)
साहू, श्री लखन लाल (बिलासपुर)
सिंधिया, श्री ज्योतिरादित्य माधवराव (गुना)
सिंह, कुंवर भारतेन्द्र (बिजनौर)
सिंह, कुंवर हरिवंश (प्रतापगढ़)
सिंह (सेवानिवृत्त), जनरल विजय कुमार (गाज़ियाबाद)
सिंह, डॉ. जितेन्द्र (उधमपुर)
सिंह, डॉ. नैपाल (रामपुर)
सिंह, डॉ. प्रभास कुमार (बारगढ़)
सिंह, डॉ. भोला (बेगूसराय)
सिंह, डॉ. यशवंत (नगीना)
सिंह, डॉ. सत्यपाल (बागपत)
सिंह, प्रो. साधु (फरीदकोट)
सिंह, राव इंद्रजीत (गुड़गाँव)
सिंह, श्री अभिषेक (राजनंदगांव)
सिंह, श्री आर.के. (आरा)
सिंह, श्री उदय प्रताप (होशंगाबाद)
सिंह, श्री कीर्ति वर्धन (गौंडा)
सिंह, श्री गणेश (सतना)

सिंह, श्री गिरिराज (नवादा)
सिंह, श्री ज्ञान (शहडोल)
सिंह, श्री दुष्यंत (झालावाड़-बारां)
सिंह, श्री नागेन्द्र (खजुराहो)
सिंह, श्री पशुपति नाथ (धनबाद)
सिंह, श्री बृजभूषण शरण (कैसरगंज)
सिंह, श्री भरत (बलिया)
सिंह, श्री भोला (बुलंदशहर)
सिंह, श्री रवनीत (लुधियाना)
सिंह, श्री राकेश (जबलपुर)
सिंह, श्री राजनाथ (लखनऊ)
सिंह, (राजू भैया), श्री राजवीर (एटा)
सिंह, श्री राधा मोहन (पूर्वी चम्पारण)
सिंह, श्री रामा किशोर (वैशाली)
सिंह, श्री लल्लू (फैजाबाद)
सिंह, श्री वीरेन्द्र (भदोही)
सिंह, श्री सत्यपाल (सम्भल)
सिंह, श्री सुनील कुमार (चतरा)
सिंह, श्री सुशील कुमार (औरंगाबाद)
सिंह, श्री हुकुम (कैराना)
सिंह, श्रीमती प्रत्यूषा राजेश्वरी (कंधामल)
सिद्देश्वरा, श्री जी.एम. (दावनगेरे)
सिन्हा, श्री जयंत (हजारीबाग)
सिन्हा, श्री मनोज (गाजीपुर)
सिन्हा, श्री शत्रुघ्न (पटना साहिब)
सिम्हा, श्री प्रताप (मैसूर)
सीग्रीवाल, श्री जनार्दन सिंह (महाराजगंज)
सुन्दरम, श्री पी.आर. (नामाक्कल)
सुप्रियो, श्री बाबुल (आसनसोल)
सुमन, श्री बलका (पेड्डापल्ली)
सुरेश, श्री कोडिकुन्नील (मावेलीक्करा)
सुरेश, श्री डी.के. (बंगलौर ग्रामीण)
सुले, श्रीमती सुप्रिया (बारामती)
सेठी, श्री अर्जुन चरण (भद्रक)
सेनगुट्टुवन, श्री बी. (वेल्लोर)
सेनथिलनाथन, श्री पी.आर. (शिवगंगा)
सैनी, श्री राजकुमार (कुरुक्षेत्र)
सोनकर, श्री विनोद कुमार (कौशाम्बी)
सोनकर, श्रीमती नीलम (लालगंज)
सोमैया, डॉ. किरीट (मुम्बई उत्तर पूर्व)
सोरेन, श्री शिबु (दुमका)
सोलंकी, डॉ. किरिट पी. (अहमदाबाद)
स्वराज, श्रीमती सुषमा (विदिशा)
स्वाईं, श्री लड्डू किशोर (अस्का)
हक, श्री मोहम्मद असरारुल (किशनगंज)
हरि, श्री जी. (अराकोनम)
हरिबाबू, डॉ. कंभमपति (विशाखापटनम)
हाँसदा, श्री रामचन्द्र (मयूरभंज)
हांसदाक, श्री विजय कुमार (राजमहल)
हाज़रा, डॉ. अनुपम (बोलपुर)
हीकाका, श्री झीना (कोरापुट)
हुक्केरी, श्री प्रकाश बा. (चिक्कोडी)
हुड्डा, श्री दीपेन्द्र सिंह (रोहतक)
हे, प्रो. रिचर्ड (नामनिर्देशित)
हेगड़े, श्री अनंतकुमार (उत्तर कन्नड़)
हेमामालिनी, श्रीमती (मथुरा)

लोक सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष
श्रीमती सुमित्रा महाजन

उपाध्यक्ष
डॉ. एम. तंबिदुरै

सभापति तालिका

श्री अर्जुन चरण सेठी
श्री हुक्मदेव नारायण यादव
श्री आनंदराव अडसुल
श्री प्रहलाद जोशी
डॉ. रत्ना डे (नाग)
श्री रमेश डेका
श्री कोनाकल्ला नारायण राव
श्री हुकुम सिंह
श्री के.एच. मुनियप्पा
डॉ. पी. वेणुगोपाल

महासचिव
श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव

मंत्रिपरिषद्

कैबिनेट मंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी	प्रधानमंत्री तथा निम्न मंत्रालयों/विभागों के भी प्रभारी : 1. कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय; 2. परमाणु ऊर्जा विभाग; 3. अंतरिक्ष विभाग; और सभी महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दे और अन्य सभी विभाग जो किसी अन्य मंत्री को आबंटित नहीं किए गए हैं।
श्री राजनाथ सिंह	गृह मंत्री
श्रीमती सुषमा स्वराज	विदेश मंत्री
श्री अरुण जेटली	वि त्त मंत्री तथा कॉर्पोरेट कार्य मंत्री
श्री नितिन गडकरी	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, पोत परिवहन मंत्री, तथा जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री
श्री सुरेश प्रभु	वाणिज्य और उद्योग मंत्री
श्री डी.वी. सदानन्द गौड़ा	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री
सुश्री उमा भारती	पेयजल और स्वच्छता मंत्री
श्री रामविलास पासवान	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री
श्रीमती मेनका संजय गांधी	महिला और बाल विकास मंत्री
श्री अनन्त कुमार	रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री
श्री रवि शंकर प्रसाद	विधि और न्याय मंत्री तथा इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
श्री जगत प्रकाश नड्डा	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
श्री अशोक गजपति राजू	नागर विमानन मंत्री
श्री अनन्त गंगाराम गीते	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
श्रीमती हरसिमरत कौर बादल	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री
श्री नरेन्द्र सिंह तोमर	ग्रामीण विकास मंत्री, पंचायती राज मंत्री तथा खान मंत्री
श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह	इस्पात मंत्री
श्री जुएल ओराम	जनजातीय कार्य मंत्री
श्री राधा मोहन सिंह	कृषि और किसान कल्याण मंत्री
श्री थावर चंद गहलोत	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
श्रीमती स्मृति जूबिन ईरानी	वस्त्र मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री

डॉ. हर्ष वर्धन	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पृथ्वी विज्ञान मंत्री तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री
श्री प्रकाश जावड़ेकर	मानव संसाधन विकास मंत्री
श्री धर्मेन्द्र प्रधान	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री
श्री पीयूष गोयल	रेल मंत्री तथा कोयला मंत्री
श्रीमती निर्मला सीतारमण	रक्षा मंत्री
श्री मुख्तार अब्बास नकवी	अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

राव इंद्रजीत सिंह	योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री संतोष कुमार गंगवार	श्रम और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री
श्री श्रीपाद येसो नाईक	आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय के राज्य मंत्री
डॉ. जितेन्द्र सिंह	उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के राज्य मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री तथा अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री
डॉ. महेश शर्मा	संस्कृति मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री गिरिराज सिंह	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के राज्य मंत्री
श्री मनोज सिन्हा	संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
कर्नल राज्यवर्धन राठौर (सेवानिवृत्त)	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री आर.के. सिंह	विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के राज्य मंत्री
श्री हरदीप सिंह पुरी	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री
श्री अलफोन्स कन्ननथनम	पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री

राज्य मंत्री

श्री विजय गोयल	संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री पोन राधाकृष्णन	वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पोत परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री एस.एस. अहलुवालिया	पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री रमेश जिगाजिनागि	पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री रामदास अठावले	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री विष्णु देव साय	इस्पात मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री राम कृपाल यादव	ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री हंसराज गंगाराम अहीर	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री हरिभाई चौधरी	खान मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री राजेन गोहेन	रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री पुरुषोत्तम रूपाला	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पंचायती राज मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कृष्णपाल गूर्जर	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री जसवंत सिंह सुमनभाई भाभोर	जनजातीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री शिव प्रताप शुक्ला	वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अश्विनी कुमार चौबे	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री सुदर्शन भगत	जनजातीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री उपेन्द्र कुशवाहा	मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री किरेन रिजीजू	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. वीरेन्द्र कुमार	महिला और बाल विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अनंतकुमार हेगड़े	कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री एम.जे. अकबर	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री
साध्वी निरंजन ज्योति	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री वाई.एम. चौधरी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री जयंत सिन्हा	नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री बाबुल सुप्रियो	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री विजय सांपला	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अर्जुन राम मेघवाल	संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अजय टम्टा	वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्रीमती कृष्णा राज	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री मनसुख एल. मांडविया	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री, पोत परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती अनुप्रिया पटेल	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री सी.आर. चौधरी	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री पी.पी. चौधरी	विधि और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. सुभाष रामराव भामरे	रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. सत्यपाल सिंह	मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय में राज्य मंत्री

लोक सभा

सोमवार, 29 जनवरी, 2018/09 माघ, 1939 (शक)

लोक सभा अपराह्न 12.21 बजे समवेत हुई।

[**माननीय अध्यक्ष** *पीठासीन हुईं*]

राष्ट्रगान

(राष्ट्रगान की धुन बजाई गई।)

[अनुवाद]

राष्ट्रपति का अभिभाषण*

माननीय अध्यक्ष : महासचिव महोदया।

महासचिव : मैं 29 जनवरी, 2018 को एक साथ समवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण की एक प्रति सभा पटल पर रखती हूं।

[हिन्दी]

****माननीय सदस्यगण,** संसद के संयुक्त सत्र में आप सभी का स्वागत है। हम सभी भारतीयों ने हाल ही में पोंगल, बिहु, लोहड़ी, मकर सक्रांति और वसंत पंचमी के उत्सव मनाए हैं। गणतंत्र दिवस भी हमारा एक प्रमुख उत्सव है। इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह में, दस आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासन प्रमुखों की उपस्थिति ने, '**वसुधैव कुटुम्बकम्**' की हमारी दीर्घदृष्टि में एक विशेष आयाम जोड़ा है।

2018 का वर्ष नए भारत के सपने को साकार करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मेरा विश्वास है कि यहां उपस्थित देश के कोने-कोने से आए सभी जनप्रतिनिधि, हमारे देश की विकास की इस महान यात्रा को और गति देने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

माननीय सदस्यगण, हमारे संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर कहा करते थे कि सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र के बिना राजनीतिक लोकतंत्र स्थायी नहीं हो सकता। कमजोर वर्गों के लिए समर्पित मेरी सरकार, संविधान में निहित इसी मूल भावना पर चलते हुए देश में सामाजिक न्याय तथा आर्थिक लोकतंत्र को सशक्त करने और आम नागरिक के जीवन को आसान बनाने के लिए कार्य कर रही है।

शायद ही किसी ने सोचा हो कि शौचालय निर्माण भी सामाजिक न्याय की इस भावना को बढ़ाने में सहायक होगा। शौचालयों के निर्माण से महिलाओं की गरिमा ही नहीं बचती बल्कि उन्हें सामाजिक न्याय का एहसास भी होता है। सामाजिक न्याय का ये आंदोलन दिन प्रतिदिन और व्यापक होता जा रहा है। हम सबका दायित्व है कि जब 2019 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाई जाए, तब तक हम देश को पूरी तरह स्वच्छ बनाकर पूज्य बापू के प्रति अपनी सच्ची श्रद्धा व्यक्त करें।

इस सदन में मेरे जैसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने वर्षों तक स्वयं देखा है कि महिलाओं को किस तरह लकड़ी बीनकर चूल्हे पर खाना बनाना पड़ता था। महिलाओं और उनके बच्चों के पास धुएं भरी सांस लेने के सिवाय कोई और विकल्प नहीं था। इस वजह से वे अनेक बीमारियां और कष्ट सहन करते थे। ऐसी गरीब महिलाओं को 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' ने सुविधा संपन्न महिलाओं से बराबरी करने का अवसर दिया है और सामाजिक न्याय के एक अनदेखे पक्ष का समाधान किया है। अब तक इस योजना के तहत 3 करोड़ 30 लाख से ज्यादा गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

माननीय सदस्यगण, मुस्लिम महिलाओं का सम्मान कई दशकों तक राजनीतिक लाभ-हानि का बंधक रहा। अब देश को उन्हें इस स्थिति से मुक्ति दिलाने का अवसर मिला है। मेरी सरकार ने तीन तलाक के संबंध में एक विधेयक संसद में प्रस्तुत किया है। मैं आशा करता हूं कि संसद शीघ्र ही इसे कानूनी रूप देगी। तीन तलाक पर कानून बनने के बाद मुस्लिम बहन-बेटियां भी आत्मसम्मान के साथ भयमुक्त जीवन जी सकेंगी।

बेटियों के साथ भेदभाव खत्म करने के लिए मेरी सरकार ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू की थी। इस योजना के सकारात्मक परिणाम को देखते हुए अब इसका दायरा 161 जिलों से बढ़ाकर 640 जिलों तक कर दिया गया है। मेरी सरकार ने प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम में बदलाव करके एक बड़ा कदम उठाया है। महिलाओं को 12 सप्ताह के स्थान पर वेतन सहित, 26 सप्ताह की छुट्टी देने का प्रावधान किया गया है। अब कामकाजी महिलाओं को अपने नवजात शिशुओं के जीवन के सबसे नाजुक शुरुआती दिनों में, उनकी देखभाल के लिए अधिक समय मिला करेगा।

माननीय सदस्यगण, गरीबों की पीड़ा महसूस करने वाली मेरी

---

*सभा पटल पर रखा गया और ग्रंथालय में भी रखा गया। देखिए संख्या एलटी- 8675/16/18

**भारत के राष्ट्रपति, महामहिम श्री रामनाथ कोविन्द ने केन्द्रीय कक्ष में हिन्दी में अभिभाषण दिया और भारत के उप-राष्ट्रपति, महामहिम श्री एम. वेंकैया नायडु ने अभिभाषण का अंग्रेजी पाठ पढ़ा।

सरकार की योजनाओं से देश में आर्थिक लोकतंत्र और भी सशक्त हो रहा है। हम अब देश के बैंकिंग सिस्टम और गरीब के बीच की खाई को पूरी तरह खत्म करने की ओर बढ़ रहे हैं। 'जनधन योजना' के तहत अब तक लगभग 31 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इस योजना के शुरू होने से पहले देश में महिलाओं के बचत खातों की संख्या लगभग 28 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 40 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है।

मेरी सरकार ने गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए, विशेषकर स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए, बिना बैंक गारंटी कर्ज देने पर जोर दिया है। अब लोग अपना उद्यम चलाने के सपने को साकार करने के लिए आसानी से कर्ज ले पा रहे हैं। 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजना' के तहत अब तक लगभग 10 करोड़ ऋण स्वीकृत किए गए हैं और 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज दिया गया है।

लगभग तीन करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्होंने पहली बार इस योजना का लाभ उठाया है और स्वरोजगार शुरू करने में सफल हुए हैं।

आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र को मजबूत करने के सरकार के ये प्रयास हमारे राष्ट्रीय जीवन को भी नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। ये कोशिशें देश में नए तरह के सामाजिक संतुलन की स्थापना कर रही हैं जिसमें हर गरीब को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिल रहा है।'

माननीय सदस्यगण, किसानों की मुश्किलों का समाधान करना और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाना, मेरी सरकार की उच्च प्राथमिकता है। मेरी सरकार की योजनाएं न केवल किसानों की चिंता कम कर रही हैं बल्कि खेती पर होने वाले उनके खर्च को भी घटा रही हैं। सरकार की नीतियों और किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि देश में 275 मिलियन टन से ज्यादा खाद्यान्न और लगभग 300 मिलियन टन फलों-सब्जियों का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है।

मेरी सरकार किसानों की आय को 2022 तक दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को उनकी पैदावार की उचित कीमत मिल सके, इसके लिए देश की कृषि मंडियों को ऑनलाइन जोड़ने का कार्य जारी है, ईएनएएम पोर्टल पर अब तक 36 हजार करोड़ रुपए से अधिक की कृषि वस्तुओं का व्यापार किया जा चुका है।

दशकों से लंबित 99 सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने का काम भी प्रगति पर है। दलहन और तिलहन क्षेत्र के उत्पादन बोनस के माध्यम से भी सरकार किसानों के हितों की रक्षा कर रही है। दालों के लिए बनाई गई नीति की वजह से पिछले वर्ष की तुलना में दाल के उत्पादन में 38 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जो एक रिकॉर्ड है।

किसानों की उपज, बाजार तक पहुंचने से पहले क्षतिग्रस्त न हो, देश में कृषि उत्पादों की बर्बादी न हो, इस उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना' शुरू की गई है। इसके तहत कृषि क्षेत्र में सप्लाई चेन और इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए डेयरी सेक्टर में 11 हजार करोड़ रुपए की 'डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि' के द्वारा एक महत्वाकांक्षी योजना प्रारंभ की गई है।

मेरी सरकार की नीतियों की वजह से जहां एक तरफ यूरिया का उत्पादन बढ़ा है, वहीं 100 प्रतिशत नीम कोटिंग के बाद यूरिया की कालाबाजारी भी रुकी है। गोरखपुर, बरौनी, सिंदरी, तालचेर और रामागुंडम में उर्वरक कारखानों को फिर से शुरू कराने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

माननीय सदस्यगण, गरीबों, किसानों और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में आर्थिक असुरक्षा की भावना को दूर करने के लिए, मेरी सरकार संवेदनशील और सक्रिय है।

'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के तहत किसानों को सस्ती और सरल बीमा सेवा उपलब्ध कराई जा रही हैं। वर्ष 2017 के दौरान, रबी और खरीफ की फसलों के लिए 5 करोड़ 71 लाख किसानों को इस योजना के तहत सुरक्षा कवच प्रदान किया गया है।

इसी तरह, मेरी सरकार ने गरीबों को एक रुपए प्रति महीना और 90 पैसे प्रतिदिन के प्रीमियम पर, बीमा योजनाएं सुलभ कराई हैं। अब तक 18 करोड़ से ज्यादा गरीब 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना' और 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' से जुड़ चुके हैं। इन योजनाओं के तहत गरीबों को लगभग 2 हजार करोड़ रुपए की क्लेम राशि मिल चुकी है।

बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा के लिए भी मेरी सरकार वचनबद्ध है। 'अटल पेंशन योजना' के तहत लगभग 80 लाख वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं।

माननीय सदस्यगण, एकात्म मानववाद के प्रणेता, दीन दयाल उपाध्याय के दिखाए रास्ते पर चलते हुए मेरी सरकार देश में ऐसी व्यवस्थाएं विकसित कर रही है जिनसे समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति को भी लाभ हो रहा है।

देशभर में लगभग 2 लाख 70 हजार कॉमन सर्विस सेंटर बनाए गए हैं, जो सस्ती दरों पर देश के दूर-दराज वाले इलाकों में भी विभिन्न सेवाओं की डिजिटल डिलिवरी कर रहे हैं।

'भारत नेट परियोजना' के तहत, देश की ढाई लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। पहले चरण में एक लाख से अधिक पंचायतों को जोड़ा जा चुका है। यह योजना ई-हेल्थ, ई-एजुकेशन, ई-गवर्नेंस और ई-कामर्स को देश के हर गांव तक ले जाने में अहम भूमिका निभाएगी।

गरीबों के जीवन में उजाला फैलाने और उन्हें विकास की राह पर चलने के लिए समर्थ बनाने के लिए, मेरी सरकार 'सौभाग्य' योजना के तहत 4 करोड़ गरीबों को बिजली कनेक्शन दे रही है।

मेरी सरकार, समाज के हर तबके तक विकास पहुंचाने की इसी सोच के साथ, 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' का कार्य और तेजी से आगे बढ़ा रही है। 2014 में केवल 56 प्रतिशत गांव ही सड़क संपर्क से जुड़े थे। अब 82 प्रतिशत से ज्यादा गांव सड़कों से जुड़ चुके हैं जिनमें से अधिकांश दूर-दराज और दुर्गम इलाकों में हैं। हमारा लक्ष्य 2019 तक देश के प्रत्येक गांव को सड़क संपर्क से जोड़ देने का है।

हर गरीब को भरपेट भोजन मिले, इसके लिए कानून के उद्देश्य को प्रभावी बनाना अनिवार्य है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत देश के सभी राज्यों में सस्ती दरों पर खाद्यान्न देने की व्यवस्था को पारदर्शी और लीकेज प्रूफ बनाया जा रहा है।

माननीय सदस्यगण, समाज के प्रत्येक कमजोर एवं वंचित वर्ग का उत्थान एवं सम्मान मेरी सरकार की प्राथमिकता है।

समाज के प्रत्येक वर्ग की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील मेरी सरकार ने 'राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग' को संवैधानिक दर्जा देने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है।

पिछड़े वर्ग में भी, अति पिछड़ों को उच्च शिक्षा और नियुक्तियों का लाभ सुलभ कराने के लिए पिछड़े वर्ग के उपश्रेणीकरण के अध्ययन हेतु आयोग का गठन किया गया है।

आदिवासियों द्वारा एकत्र किए जाने वाले कई वन उत्पादों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ा दिया गया है।

देश के विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों, खासकर उत्तर पूर्व में लाखों लोगों का जीवन, बांस से जुड़े उद्योग पर आधारित है। पेड़ की श्रेणी में रखे जाने के कारण, बांस का जीविकोपार्जन के लिए उपयोग कर पाना मुश्किल था। इन मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए मेरी सरकार ने बांस को पेड़ की श्रेणी से हटा दिया है। इससे, अब बांस को काटने, उसके परिवहन और उपयोग की स्वतंत्रता मिल गई है।

स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों के बहुमूल्य योगदान का सम्मान करने के लिए देश में आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालयों की स्थापना की जा रही है। ऐसे पहले संग्रहालय की आधारशिला हाल ही में गुजरात में नर्मदा के तट पर, सरदार सरोवर बांध के पास केवड़िया में रखी गई है। झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, केरल और मणिपुर जैसे अन्य कई राज्यों के प्रस्ताव भी विचाराधीन हैं।

माननीय सदस्यगण, हमारे देश में ढाई करोड़ से अधिक दिव्यांगजन हैं। मेरी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके सशक्तिकरण और आर्थिक समावेश के लिए निरंतर कार्यरत है। सरकार ने 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016' लागू किया है। दिव्यांगों के लिए सरकारी नौकरियों में 4 प्रतिशत और उच्च शिक्षा में 5 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। पिछले तीन वर्षों में उन्हें 6 हजार से ज्यादा कैंप लगाकर, 9 लाख से अधिक आवश्यक उपकरण भी प्रदान किए गए हैं।

माननीय सदस्यगण, 'तुष्टीकरण नहीं सशक्तिकरण' के संकल्प के साथ, मेरी सरकार अल्पसंख्यकों के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में मजबूती से काम कर रही है।

'सीखो और कमाओ'; 'उस्ताद'; 'गरीब नवाज कौशल विकास योजना'; 'नई रोशनी' आदि कार्यक्रमों के जरिए मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी एवं जैन समाज के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं।

पिछले एक साल में 45 लाख से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, फेलोशिप, कौशल विकास और कोचिंग स्कीमों का लाभ भी दिया गया है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आजादी के बाद पहली बार पुरुष रिश्तेदारों के बिना, 45 साल से ज्यादा आयु की महिलाओं के हज पर जाने की पाबंदी हटा दी गई है। इस वर्ष 1,300 से ज्यादा महिलायें बिना मेहरम के हज पर जा रही हैं।

माननीय सदस्यगण, सभी के सिर पर छत हो, और उसे पानी-बिजली शौचालय की सुविधा मिले, इस संवेदनशील सोच के साथ मेरी सरकार देश के हर आवासहीन गरीब परिवार को वर्ष 2022 तक घर उपलब्ध कराने के लक्ष्य पर काम कर रही है।

पिछले साढ़े तीन वर्षों में शहरी और ग्रामीण इलाकों में 93 लाख से अधिक घरों का निर्माण किया गया है। 'प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी' के अंतर्गत गरीबों को घर बनाने के लिए ब्याज दर में 6 प्रतिशत की राहत दी जा रही है। पहली बार मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए दो नई योजनाएं भी शुरू की गई हैं।

माननीय सदस्यगण, गरीब और मध्यम वर्ग की एक बड़ी चिंता बीमारियों के इलाज से जुड़ी रहती है। इलाज के खर्च का आर्थिक आघात, बीमारी के आघात को और भी अधिक कष्टकारी बना देता है।

मेरी सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य की बेहतर और सस्ती सुविधा के लिए नई 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति' बनाई है। इसके साथ ही 'राष्ट्रीय आयुष मिशन' द्वारा योग-आयुर्वेद जैसी परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुझे आप सबके साथ यह साझा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि :

- 'प्रधानमंत्री जन औषधि' केन्द्रों के माध्यम से गरीबों को 800 तरह की दवाइयां सस्ती दरों पर दी जा रही हैं। इन केन्द्रों की संख्या 3 हजार के पार पहुंच चुकी है।
- 'दीनदयाल अमृत योजना' के तहत 111 आउटलेट के माध्यम से 5,200 से अधिक जीवन-रक्षक ब्रांडेड दवाओं तथा सर्जिकल इम्प्लांट्स पर 60 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक की रियायत दी जा रही है।
- दवाओं के साथ ही हृदय रोगियों के लिए 'स्टंट' की कीमत को 80 प्रतिशत तक कम किया गया है। घुटने के ऑपरेशन में लगने वाले इम्प्लांट की कीमत को भी नियंत्रित किया गया है।
- 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम' के माध्यम से 500 से अधिक जिलों में, रियायती दरों पर सवा 2 लाख मरीजों के लिए डायलिसिस के 22 लाख से ज्यादा सेशन किए गए हैं।
- डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एमबीबीएस की 13 हजार सीटें तथा पोस्ट ग्रैजुएट की 7 हजार से अधिक सीटें मंजूर की गई हैं।
- चिकित्सा शिक्षा में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने केलिए सरकार ने लोक सभा में 'राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग विधेयक' भी प्रस्तुत किया है।
- मुझे यह बताते हुए खुशी है कि देश में टीकाकरण की जो वृद्धि दर पहले सिर्फ 1 प्रतिशत प्रतिवर्ष हुआ करती थी, वह अब बढ़कर 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष पहुंच गई है। इससे, देश के दूर-दराज, विशेषकर आदिवासी इलाकों में रहने वाले बच्चों को भी बहुत लाभ मिला है। हाल ही में मेरी सरकार ने 'तीव्र मिशन इंद्रधनुष' भी शुरू किया है।

माननीय सदस्यगण, शिक्षा ही राष्ट्र के भविष्य-निर्माण का आधार है। मेरी सरकार, देश में स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मेरी सरकार द्वारा 'अटल इनोवेशन मिशन' के तहत 2,400 से ज्यादा 'अटल टिन्करिन्ग लैब्स' को स्वीकृति दी जा चुकी है ताकि बच्चों में छोटी उम्र से ही उद्यमिता और रचनात्मकता की नींव डाली जा सके।

मेरी सरकार ने देश में उच्च शिक्षण संस्थाओं की समस्त परीक्षाओं के आयोजन के लिए एक स्वायत्त परीक्षा संगठन 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' के गठन को मंजूरी दी है।

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सक्रिय मेरी सरकार देश में 20 'इंस्टीट्यूट्स ऑफ एमिनेन्स' बनाने पर काम कर रही है। इस मिशन के तहत चुने हुए शिक्षण संस्थानों को 10 हजार करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी।

सभी 'इंडियन इंस्टीट्यूट्स ऑफ मैनेजमेंट' को और बेहतर बनाने के लिए स्वायत्तता देने वाला एक कानून भी बनाया गया है।

माननीय सदस्यगण, हमारा देश, दुनिया का सबसे युवा देश है। देश के युवा अपने सपने पूरे कर सकें, स्वरोजगार कर सकें, इसके लिए मेरी सरकार स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, स्किल इंडिया मिशन, मुद्रा योजना जैसे कार्यक्रम चला रही है।

युवाओं में आज की औद्योगिक आवश्यकता के अनुसार कौशल विकास करने के लिए हाल ही में मेरी सरकार ने 'संकल्प' और 'स्ट्राइव' नाम की दो योजनाओं को स्वीकृति दी है।

जो उद्योग या कंपनियां नौकरियों के नए अवसर सृजित कर रही हैं उन्हें 'प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना' के तहत आर्थिक मदद दी जा रही है। 20 लाख से ज्यादा लाभार्थी इस योजना से सहायता प्राप्त कर चुके हैं।

'नेशनल अप्रेन्टिसशिप प्रमोशन स्कीम' से लगभग 5 लाख नौजवान लाभान्वित हो चुके हैं।

हमारे श्रमिक बंधु, राष्ट्र निर्माण में केन्द्रीय भूमिका निभाते हैं। मेरी सरकार द्वारा श्रमिकों के प्रति संवेदनशीलता के साथ, श्रम कानूनों में सुधार की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

मेरी सरकार ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में 40 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की है। श्रम कानूनों के पालन के लिए रजिस्टर की संख्या 56 से घटाकर 5 कर दी गयी है। अब श्रम सुविधा पोर्टल पर सभी रिटर्न ऑनलाइन भरे जाते हैं।

माननीय सदस्यगण, खेल-कूद के क्षेत्र में उत्कृष्टता को पूरे विश्व में विकास के एक मापदंड के रूप में देखा जाता है। युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए सजग मेरी सरकार, खेल-कूद के क्षेत्र में भी देश की विश्व पटल पर प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कार्य कर रही है।

देश में बीते महीनों में फीफा अंडर-17 विश्व कप और एशियन एथलेटिक चैंपियनशिप जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन हुआ।

इससे खेल के क्षेत्र में देश की प्रतिष्ठा तो बढ़ी ही है, आज देश के हर कोने में फुटबॉल जैसे खेलों के प्रति आकर्षण भी बढ़ा है।

मेरी सरकार ने 1,750 करोड़ रुपए से अधिक की राशि से 'खेलो इंडिया कार्यक्रम' नाम से एक महत्वाकांक्षी अभियान आरंभ किया है।

प्रतिभावान खिलाड़ियों के पारदर्शिता से चयन के लिए 'स्पोर्ट्स टैलेन्ट सर्च पोर्टल' भी शुरू किया गया है।

एक हजार प्रतिभावान खिलाड़ियों को मेरी सरकार की तरफ से 6 लाख रुपए प्रतिवर्ष का स्टाइपेन्ड देने की योजना प्रारंभ की गई है।

माननीय सदस्यगण, हमारे देश की सांस्कृतिक परंपराएं, हमारी पहचान हैं और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को आधार देती हैं।

यह हम सभी के लिए गौरव की बात है कि हाल ही में कुंभ-मेले को यूनेस्को द्वारा 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर' की सूची में शामिल किया गया है। पिछले वर्ष अहमदाबाद को यूनेस्को द्वारा भारत की पहली 'हेरिटेज सिटी' का दर्जा दिया गया है। चेन्नई ने भी संगीत की गरिमामय परंपरा के लिए यूनेस्को की क्रिएटिव सिटीज की सूची में स्थान प्राप्त किया है।

'स्वदेश दर्शन' और 'अमृत योजना' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से मेरी सरकार ऐतिहासिक विरासतों को सहेजने और उन्हें संवारने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

माननीय सदस्यगण, देश के विकास के लिए, किसानों, मछुआरों, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों तक सही समय में सही जानकारी पहुंचाने के लिए, हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम का बहुत बड़ा योगदान है। इस दिशा में भारत का महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम, राष्ट्रीय विकास तथा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नित नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

दुनिया में पहली बार इसरो ने एक बार में 104 सैटेलाइटों को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। जून, 2017 में, भारत के जीएसएलवीएमके-III की पहली विकासात्मक उड़ान सफल रही जो कि देश की प्रक्षेपण सक्षमता को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण कदम है।

पिछले वर्ष 5 मई को इसरो द्वारा दक्षिण एशियाई सैटेलाइट का प्रक्षेपण किया गया। इस प्रक्षेपण के साथ भारत ने पड़ोसी देशों के साथ अपनी तकनीकी क्षमताओं के लाभों को साझा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाया है।

इस वर्ष 12 जनवरी को इसरो ने पीएसएलवी-सी 40 का सफल प्रक्षेपण करके देश का मान बढ़ाया है। इसी दिन इसरो ने सौवें उपग्रह का प्रक्षेपण किया।

माननीय सदस्यगण, डिजिटल कनेक्टिविटी के आधुनिक दौर में हमारे देशवासी, हमारी भावी पीढ़ी, डिजिटल टेक्नोलॉजी की ताकत का उपयोग कर सके, इसके लिए मेरी सरकार लगातार प्रयासरत है। डिजिटल इंडिया मिशन, गरीबों एवं वंचितों को सम्मानपूर्वक उनका अधिकार दिलाने के लिए, एक मील का पत्थर साबित हो रहा है।

'प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान' के अंतर्गत मेरी सरकार विश्व का सबसे बड़ा डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम चला रही है। इस कार्यक्रम के तहत अभी तक एक करोड़ लोगों को डिजिटल रूप में साक्षर कर दिया गया है।

डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने में 'भीम एप्प' बड़ी भूमिका निभा रहा है। हाल ही में लॉन्च किए गए 'उमंग एप्प' द्वारा सौ से ज्यादा जनसुविधाओं को मोबाइल पर उपलब्ध कराया गया है।

आधार द्वारा गरीब लाभार्थियों को, उन्हें मिलने वाली सुविधाएं, बिना बिचौलियों के सीधे पहुंच रही हैं। वर्तमान सरकार की 400 से अधिक योजनाओं में डिजिटल भुगतान किया जा रहा है। इसकी वजह से सरकारी लाभ सही व्यक्ति को मिलना संभव हुआ है और अब तक 57 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि गलत हाथों में जाने से बचाई गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र में सराहनीय प्रयासों के कारण अब देश में 113 मोबाइल कंपनियां कार्यरत हैं, जिनकी संख्या 2014 में मात्र 2 थी। इससे देश के छोटे शहरों में भी हमारे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं।

माननीय सदस्यगण, देश के संतुलित विकास में डिजिटल और फिजिकल कनेक्टिविटी दोनों की ही बड़ी भूमिका है। मेरी सरकार 21वीं सदी की आवश्यकता के अनुसार देश के परिवहन क्षेत्र को तैयार करने और संपर्क बढ़ाने पर कार्य कर रही है। आधुनिक परिवहन व्यवस्थाएं इस तरह विकसित की जा रही हैं कि सभी यातायात सुविधाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई हों।

रेलवे आज भी देश में यातायात का प्रमुख साधन है और इसलिए रेलवे में क्षमता विकास और आधुनिकीकरण के लिए निवेश में निरंतर बढ़ोतरी की जा रही है। मेरी सरकार विश्वस्तरीय रेल सेवाओं के लिए वचनबद्ध है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का कार्य भी प्रारंभ हो गया है।

मेरी सरकार ने मेट्रो परियोजनाओं के लिए भी एक नई नीति बनाई है। नई नीति में 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' पर जोर दिया गया है। देश में, अभी 11 शहरों में मेट्रो परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

हाल ही में मेरी सरकार ने राजमार्ग क्षेत्र के एक नए वृहद कार्यक्रम

'भारत माला' को स्वीकृति दी है। इसके लिए 5 लाख 35 हजार करोड़ रुपए की राशि का प्रावधाना किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत, नेशनल कॉरीडोर एफिशियंसी में वृद्धि करने के लिए लगभग 53 हजार किलोमीटर लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्ग चिन्हित किए गए हैं।

'जलमार्ग विकास परियोजना' के अंतर्गत गंगा नदी पर वाराणसी, साहिबगंज, फरक्का और हल्दिया में प्रमुख परियोतजनाओं का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है।

'सागरमाला कार्यक्रम' के अंतर्गत, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट में विशेष आर्थिक जोन और पारादीप एवं दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट पर 'स्मार्ट पोर्ट इंडस्ट्रियल सिटीज' का कार्य आरंभ हो गया है।

देश के छोटे शहर हवाई मार्ग से जुड़ सकें और निम्न मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग और युवा कम खर्च पर, आसानी से हवाई यात्रा का लाभ उठा सकें, इसके लिए 'उड़े देश का आम नागरिक' यानी, 'उड़ान' योजना शुरू की गई है। स्वतन्त्रता के बाद देश में जहां केवल 76 हवाई अड्डे ही वाणिज्यिक उड़ानों से जुड़े थे वहीं 'उड़ान' योजना के मात्रा 15 महीनों में 56 हवाई अड्डों और 31 हेलीपैडों को जोड़ने के लिए कार्य शुरू किया गया है। अब तक 16 ऐसे हवाई अड्डों से उड़ानें शुरू भी हो चुकी हैं।

इन योजनाओं से कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ-साथ देश में रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

माननीय सदस्यगण, पहली बार ऐसा अवसर आया है जब देश में बिजली क्षमता के विस्तार में लक्ष्य से अधिक बढ़ोतरी हुई है। अब भारत बिजली का निवलनिर्यातक बन गया है।

मेरी सरकार ने 'वन नेशन, वन ग्रिड' का कार्य पूरा करके राज्यों को सस्ती दरों पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित की है। देश के प्रत्येक गांव तथा कस्बे में विद्युत वितरण व्यवस्था मजबूत करने के लिए लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपए की योजनाएं लागू की गई हैं। 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाने का कार्य भी पूर्णता की तरफ बढ़ रहा है।

'उजाला योजना' के अंतर्गत अब तक देश में 28 करोड़ से ज्यादा एलईडी बल्ब वितरित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त निजी क्षेत्र द्वारा भी 50 करोड़ से ज्यादा एलईडी बल्ब की बिक्री की गई है। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के बिजली बिल में सालाना 40 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बचत हो रही है। इतना ही नहीं, पर्यावरण की रक्षा के साथ ही देश में प्रतिवर्ष 10 हजार करोड़ यूनिट बिजली की बचत भी हो रही है।

बिजली बचाने के अभियान के साथ ही, देश में बिजली उत्पादन बढ़ाने का कार्य भी जारी है। पिछले तीन वर्षों में सौर ऊर्जा के उत्पादन में 7 गुना वृद्धि हुई है।

भारत के प्रयास से अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन एक विधायी निकाय बन चुका है। इसका मुख्यालय भारत में ही स्थापित किया गया है।

माननीय सदस्यगण, देश के प्रत्येक क्षेत्र तक विकास का लाभ पहुंचाने की दृष्टि के साथ, मेरी सरकार उत्तर-पूर्व के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

इस क्षेत्र के विकास को और गति देने के लिए हाल ही में 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता वाली उत्तर-पूर्व विशेष अवसंरचना विकास योजना को मंजूरी दी गई है। इस स्कीम के तहत पेयजल, ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा।

पिछले तीन वर्षों में, पूर्वोत्तर राज्यों में विद्युत प्रसारण एवं वितरण नेटवर्क सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने 10 हजार करोड़ रुपए की योजना स्वीकृत की है।

हाल ही में, मिजोरम, में 913 करोड़ रुपए की लागत से बना हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट देश को समर्पित किया गया है।

मेरी सरकार द्वारा उत्तर-पूर्व में संपर्क मार्ग बढ़ाने पर भी पूरा जोर दिया जा रहा है।

अगरतला-आखुरा रेल-लिंक पर तेजी से कार्य चल रहा है। यह रेल लिंक भारत को बांग्लादेश से जोड़ेगा।

शिलॉन्ग-तुरा रोड प्रोजेक्ट का पिछले वर्ष दिसंबर में लोकार्पण किया गया है। इस सड़क से पूरे 'उत्तर-पूर्व' क्षेत्र में सड़क संपर्क सुधारने में मदद मिलेगी।

पिछले वर्ष देश के सबसे लंबे नदी पुल ढोला-सादिया को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया है। इस पुल ने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच की दूरी 165 किलोमीटर कम कर दी है।

मेरी सरकार द्वारा बराक नदी को राष्ट्रीय जलमार्ग-16 के तौर पर विकसित करने का फैसला भी लिया गया है।

माननीय सदस्यगण, केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के नियमित प्रयासों के कारण, देश की आंतरिक सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूर्वोत्तर में, सुरक्षा स्थिति में भी बदलाव आया है। नक्सली-माओवादी हिंसा की घटनाओं में भी कमी आई। इसके लिए इन क्षेत्रों के जागरूक निवासी और हमारे सैन्य, अर्ध सैन्यबल और हमारे पुलिस बल बधाई के पात्र हैं। हम अपने उन सभी प्रहरियों की सराहना करते हैं और जो शहीद हुए हैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

जम्मू और कश्मीर के अंदरूनी इलाकों में आतंकवादी हिंसा, सीमा पार से होने वाली घुसपैठ से सीधे-सीधे जुड़ी है। हमारे सैन्य और अर्ध सैन्य बल तथा जम्मू-कश्मीर पुलिस आपस में बेहतर तालमेल के साथ इस हिंसा का उपयुक्त जवाब दे रहे हैं।

मेरी सरकार ने उन लोगों के साथ बातचीत का रास्ता खुला रखा है जो हिंसा छोड़ना चाहते हैं और भारतीय संविधान में आस्था रखते हुए मुख्यधारा से जुड़ना चाहते हैं। नक्सली-माओवादी विचारधारा से प्रभावित युवा, पिछले तीन वर्षों के दौरान सर्वाधिक संख्या में समर्पण करके मुख्यधारा में आए हैं।

हाल ही में मेरी सरकार ने पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए 18 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की योजना को मंजूरी दी है।

डिफेन्स मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में सामरिक भागीदारी से संबंधित नीति को भी अंतिम रूप दे दिया गया है। इससे प्रमुख डिफेंस प्लेटफार्म और उपकरणों के निर्माण में निजी क्षेत्र की अधिक से अधिक भागीदारी और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

मेरी सरकार ने 'वन रैंक वन पेंशन' के अपने वचन को पूरा करते हुए 20 लाख से ज्यादा सेवानिवृत्त सैनिकों को 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की बकाया राशि का भुगतान किया है।

माननीय सदस्यगण, मानवता की सेवा, भारत की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग रहा है। चाहे नेपाल में भूकंप हो या श्रीलंका में बाढ़ की आपदा या मालद्वीप में पेयजल का संकट, इन्हीं मूल्यों के कारण भारत हमेशा सबसे पहले कार्यवाही करने वाले देश के रूप में उपस्थित रहा है।

आज विश्व के किसी भी कोने में, बसे सभी भारतीयों को यह भरोसा है कि वे कहीं भी संकट में पड़ेंगे तो उनकी सरकार उन्हें सुरक्षित निकालकर स्वदेश वापस ले आएगी। वर्ष 2014 के बाद से विदेश में संकट में फंसे 90 हजार से अधिक भारतीयों को वापस लाया गया है।

मेरी सरकार के सफल राजनयिक प्रयासों के कारण विश्व में भारत को एक नया सम्मान प्राप्त हुआ है। इसके फलस्वरूप इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल फॉर द लॉ ऑफ द सी, इंटरनेशनल मैरीटाइम आर्गेनाइजेशन और इकोनॉमिक एंड सोशल काउंसिल में भारत को प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है। इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस का चुनाव तो काफी रोचक रहा जिसमें अंततोगत्वा भारत ने सफलता पाई।

पिछले वर्ष मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था में शामिल होने के पश्चात् भारत को इस वर्ष बासेनार अरेंजमेंट और आस्ट्रेलिया ग्रुप में भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। यह सफलता लंबी जद्दोजहद और लंबे इंतजार के बाद मिली है और मेरी सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

चाबहार पोर्ट का प्रारम्भ होना एक ऐतिहासिक घटना है। इस पोर्ट के माध्यम से अफगानिस्तान को गेहूं की पहली खेप भेजी गयी है। इस वर्ष भारत-अफगानिस्तान के बीच हवाई-गलियारे की शुरुआत भी हुई है, जिसमें माल-ढुलाई का कार्य आरम्भ हो गया है।

विदेशों में बसे प्रवासी भारतीयों के साथ देश का जुड़ाव लगातार मजबूत हो रहा है। इस वर्ष 9 जनवरी को 'प्रवासी भारतीय दिवस' के अवसर पर पहली बार प्रवासी भारतीय सांसदों का सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें 24 देशों के जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विदेश मंत्रालय ने डाक विभाग मंत्रालय के साथ मिलकर देश में पासपोर्ट सेवाओं का विस्तार करने का एक वृहद कार्यक्रम आरम्भ किया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 251 पासपोर्ट सेवा केन्द्रों को मंजूरी दी जा चुकी है और इनमें से 60 केन्द्र काम करना शुरू कर चुके हैं।

माननीय सदस्यगण, देश के विकास को और अधिक ठोस आधार देने के लिए मेरी सरकार ने आर्थिक संस्थाओं को मजबूत करने का काम प्राथमिकता के तौर पर किया है।

इसी का परिणाम है कि धीमी वैश्विक आर्थिक विकास दर के बावजूद, भारत की विकास दर प्रभावशाली रही है। अर्थव्यवस्था में, 2016-17 की पहली तिमाही से, जीडीपी विकास में अस्थायी मंदी रही। वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही में इस गिरावट में बदलाव आया। पिछले साढ़े तीन वर्षों में मुद्रास्फीति की दर, करंट अकाउंट डेफिसिट और फिस्कल डेफिसिट औसतन कम हुए हैं।

वर्ष 2017 में विदेशी मुद्रा भंडार 410 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर से ऊपर चला गया। मेरी सरकार की प्रभावी नीतियों के कारण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी पिछले तीन वर्षों के दौरान 36 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 60 बिलियन अमेरिकी डालर तक पहुंच गया है।

माननीय सदस्यगण, नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रक्रियाओं का सरलीकरण मेरी सरकार की प्राथमिकता है। पिछले तीन वर्षों में 1,428 अनावश्यक कानून समाप्त किए जा चुके हैं और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है।

ठोस और समावेशी विकास की दिशा में, मेरी सरकार ने देश में ईमानदारी को संस्थागत करने का महत्वपूर्ण काम किया है और पारदर्शी व्यवस्थाओं की स्थापना कर रही है।

देश के आर्थिक एकीकरण के लिए, मेरी सरकार ने स्वतंत्रता के

बाद का सबसे बड़ा टैक्स-सुधार, माल और सेवा कर के रूप में किया है। कीमतों के कम होने का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंच सके, इसके लिए मेरी सरकार द्वारा राष्ट्रीय मुनाफाखोरी-रोधी प्राधिकरण का गठन भी किया गया है।

मेरी सरकार बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत करने और उसमें पारदर्शिता लाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसके लिए 2 लाख रुपए से अधिक के पूंजी निवेश के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का री-कैपिटलाइजेशन करने का निर्णय भी किया गाया है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी है। इसी कड़ी में पिछले एक वर्ष में लगभग साढ़े 3 लाख संदिग्ध कंपनियों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा चुका है।

सरकारी खरीद की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और अधिकतम उद्यमियों को अवसर देने के लिए मेरी सरकार ने, गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस यानि जीईएम नाम की एक नई व्यवस्था स्थापित की है। जीईएम पोर्टल की मदद से देश का छोटे से छोटा उद्यमी भी सरकार को अपना उत्पाद बेचने में सक्षम हुआ है।

सरकारी खरीद में मेक इन इडिया को प्राथमिकता देने के लिए नई नीति बनाई गई है। इस नीति से घरेलू उत्पादों के निर्माण और सेवाओं में वृद्धि होगी, जिससे रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे।

केन्द्र सरकार, व्यापार के लिए सुविधाजनक वातावरण तैयार करने के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम कर रही है।

मेरी सरकार की इन कोशिशों के कारण ही तीन वर्षों में भारत, वर्ल्ड बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में 142 से 100वीं रैंक पर पर पहुंच गया है। इससे विश्व बाजार में देश की साख और बढ़ी है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार का प्रयास जनभागीदारी द्वारा जनकल्याण करने का है। मेरी सरकार युवाओं, महिलाओं, किसानों, उद्यमियों विद्यार्थियों, श्रमिकों के साथ बातचीत करके तथा सिविल सोसायटी के लोगों के साथ भी चर्चा करके उनके सुझावों को नीतियों-निर्णयों में शामिल कर रही है।

माननीय सदस्यगण, देश में गवर्नेंस के प्रति सजग लोगों में, देश के किसी न किसी हिस्से में लगातार हो रहे चुनाव से, अर्थव्यवस्था और विकास पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को लेकर चिंता है। बार-बार चुनाव होने से मानव संसाधन पर बोझ तो बढ़ता ही है, आचार संहिता लागू होने से देश की विकास प्रक्रिया भी बाधित होती है। इसलिए एक साथ चुनाव कराने के विषय पर चर्चा और संवाद बढ़ना चाहिए तथा सभी राजनीतिक दलों के बीच सहमति बनाई जानी चाहिए।

माननीय सदस्यगण, राष्ट्र निर्माण एक अनवरत प्रक्रिया है, जिसमें देश के हर व्यक्ति की अपनी-अपनी भूमिका है। हम सभी का कर्तव्य है कि देश के सम्मुख अनुकरणीय आचरण प्रस्तुत करें। राष्ट्र निर्माण से जुड़े लक्ष्य समय पर पूरे हों, यह दायित्व हम सभी का है।

2022 में, जब हमारा देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष का पर्व मनाएगा तब तक इन लक्ष्यों की प्राप्ति न सिर्फ स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं के सपने पूरा करेगी बल्कि नए भारत का आधार भी मजबूत करेगी।

नए भारत का सपना किसी एक राजनीतिक दल या संगठन का नहीं है। यह देश के 130 करोड़ लोगों की आशाओं-आकांक्षाओं को परिलक्षित करता है। इस सपने को पूरा करने के लिए, हम सभी को मिलकर पूरे समर्पण के साथ काम करना होगा।

आइए, हम सब मिलकर अपने संविधान के समता और बंधुता के आदर्शों को प्राप्त करने के लिए एक साथ चलें, एक दिशा में चलें, एक निष्ठा से चलें और भव्य भारत के निर्माण के लिए पूरी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें।

जय हिन्द!

अपराह्न 12.22 बजे

सभा पटल पर रखे गए पत्र

[अनुवाद]

वित्त मंत्री तथा कॉर्पोरेट कार्य मंत्री (श्री अरुण जेटली) : मैं आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 (खंड एक और खंड दो) की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभापटल पर रखता हूं।

[ग्रंथालय में रखी गयी, *देखिए* संख्या एल.टी. 8676/16/18]

माननीय अध्यक्ष : सभा गुरुवार, 01 फरवरी, 2018 को पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत होने के लिए स्थगित होती है।

अपराह्न 12.23 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा गुरुवार, 01 फरवरी, 2018/12 माघ, 1939 (शक) के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।